सोलर डिहाइड्रेशन टेक्नोलॉजी

चर्चा में क्यों?

किसानों की आय बढ़ाने और फसल की बर्बादी को कम करने के उद्देश्य से IIT कानपुर ने एक नई **सौर निर्जलीकरण तकनीक (Solar Dehydration Technology)** विकसित की है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य**:
  - यह तकनीक **फलों और सब्ज़ियों** को सौर ऊर्जा के माध्यम से सुखाने की सुविधा प्रदान करती है। यह एक कुशल और टिकाऊ तरीका है।
  - इसका **उद्देश्य किसानों की आमदनी बढ़ाना और फसल की बर्बादी को कम करना** है।
  - किसान इस तकनीक का उपयोग करके अपनी फसलों को लंबे समय तक संरक्षित रख सकते हैं और उचित मूल्य मिलने पर उन्हें बेच सकते हैं।
- **लाभ**:
  - **सोलर डिहाइड्रेशन एक पर्यावरण अनुकूल तरीका है,** जो ऊर्जा की बचत करता है और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।
  - सौर ऊर्जा का उपयोग करने से परंपरागत ऊर्जा स्रोतों **की आवश्यकता कम होती है**, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है।
- **प्रशिक्षण कार्यक्रम**:
  - इस पहल के तहत हाल ही में 30 किसानों को सोलर डिहाइड्रेशन तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया है। किसानों को टमाटर के प्री-ट्रीटमेंट और सोलर ड्राईंग की लाइव डेमोंस्ट्रेशन दी गई, जिससे वे इस तकनीक को अपनी खेती में लागू कर सकेंगे।
- **अन्य संस्थाओं का सहयोग**:
  - इस प्रोजेक्ट में NABARD का महत्त्वपूर्ण सहयोग रहा है।
  - इसके साथ ही, CSJM विश्वविद्यालय के फूड प्रोसेसिंग विभाग के साथ मिलकर इस तकनीक के लिये स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) और गुणवत्ता प्रोटोकॉल तैयार किये गए हैं।

नाबार्ड (NABARD)

- नाबार्ड कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिये एक शीर्ष बैंक है।
- इसकी स्थापना शिवरमन समिति की सिफारिशों के आधार पर संसद **के एक अधिनियम द्वारा 12 जुलाई, 1982 को** की गई थी।
- इसका कार्य **कृषि,** लघु उद्योग, कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग, हस्तशिल्प और अन्य ग्रामीण शिल्पों के संवर्द्धन और विकास के लिये ऋण प्रवाह को उपलब्ध कराना है।
- इसके साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के अन्य संबद्ध आर्थिक क्रियाओं को समर्थन प्रदान कर गाँवों का सतत् विकास करना है।

-

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/solar-dehydration-technology